3, 71, 438
प्रसारण संख्या का विश्व कीर्तिमान रचने वाली
भारत की एकमात्र बाल पत्रिका

सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी बाल मासिक
देवपुत्र

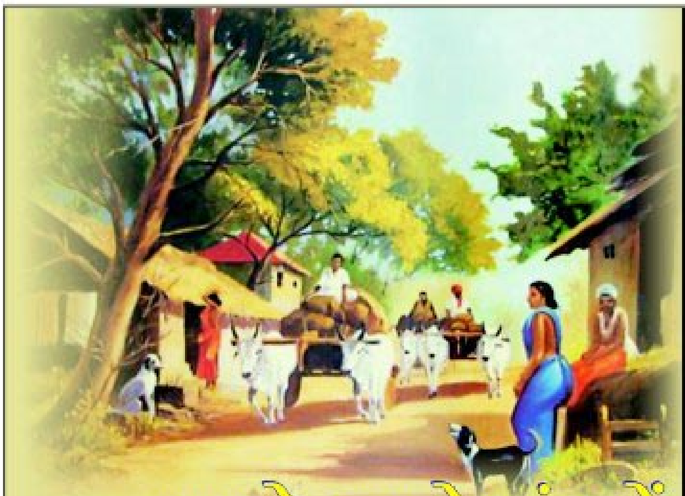

आओ हमारे गांव में

कमलसिंह चौहान

पीपल की छांव में,
आओ हमारे गांव में।
इठलाती पगडंडियों पर,
दीप जले ठांव में,
पीपल की छांव में...
गांवों के ग्वालों के बीच,
गोवर्धन जी की पूजा
थिरकन सी छाई है
घुंघरू बंधे पांव में
पीपल की छांव में...
दीप जले, देहरी पर
सब मिलो परस्पर
दीपावली सुखद दीप
जले हर पड़ाव में
पीपल की छांव में...
आओ हमारे गांव में

बीड़ (म.प्र.)

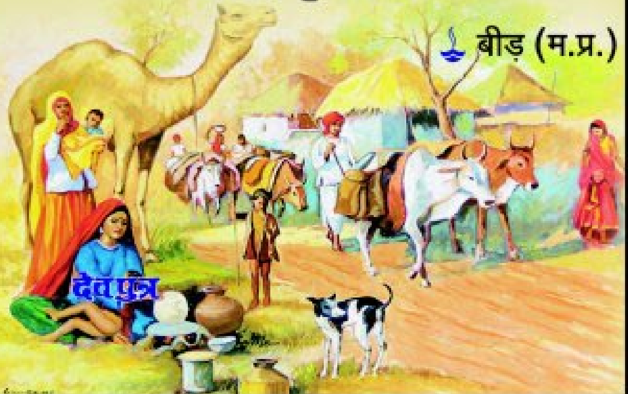

दीप जले हैं

राजा चौरसिया

माटी के ये
दीप जले हैं
जलते रहते रात-रात भर
पहरा देते द्वार-द्वार पर
उजियारे के
फूल खिले हैं
सूरज के वंशज कहलाते
परहित का संकल्प निभाते
तूफानों में
ये संभले हैं
प्रेम, ज्ञान की अलख जगाएं
सबको संदेशा पहुंचाएं
होनहार
पूरे निकले हैं
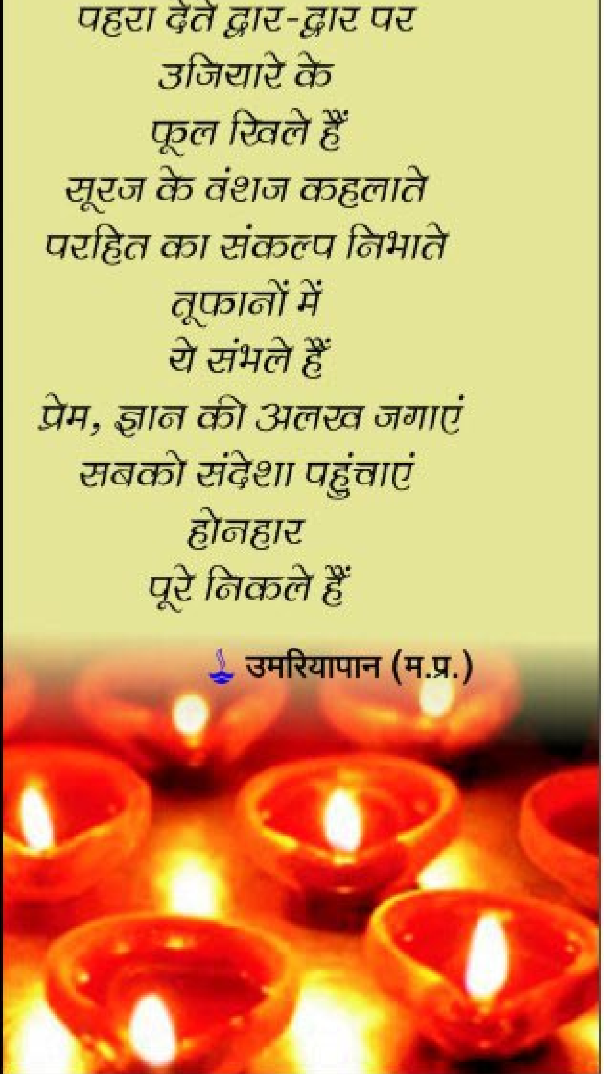
उमरियापान (म.प्र.)